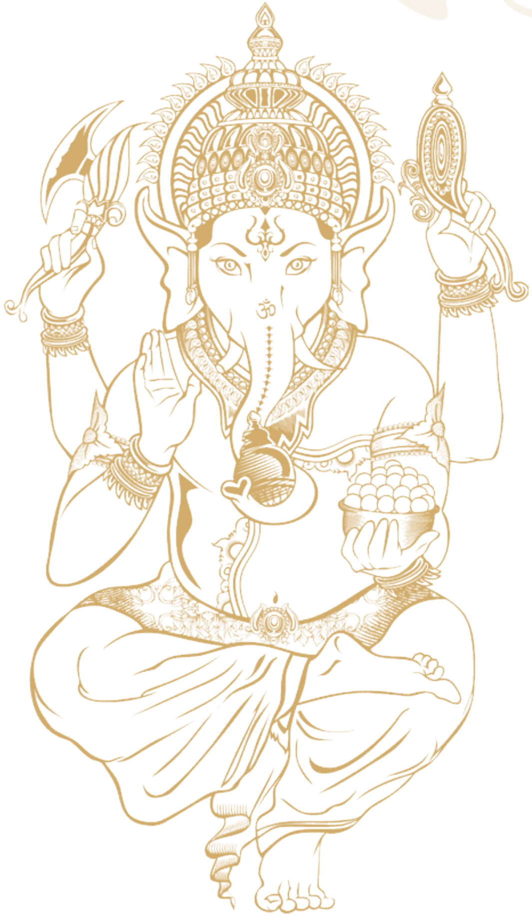

Pradeep

14 Jan 1986

07:00 AM

Rewari

Model: web-freekundliweb

Order No: 121630403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13-14/01/1986**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**07:00:00 घंटे**
इष्ट	59:17:39 घटी
स्थान	**Rewari**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:11:00 उत्तर
रेखांश	76:37:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:36:28 घंटे
वेलान्तर	-00:08:35 घंटे
साम्पातिक काल	14:09:23 घंटे
सूर्योदय	07:16:56 घंटे
सूर्यास्त	17:47:32 घंटे
दिनमान	10:30:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	29:55:19 धनु
लग्न के अंश	24:31:57 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	व्यतिपात
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीताराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	24:31:57	367:08:14	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
सूर्य			धनु	29:55:19	01:01:08	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	15:42:22	13:11:00	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल			तुला	24:51:11	00:36:16	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध		अ	धनु	18:48:19	01:33:09	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु			मक	27:28:10	00:13:34	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र		अ	धनु	28:34:52	01:15:28	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	सम राशि
शनि			वृश्चि	12:47:45	00:05:35	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	11:53:36	00:08:11	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	11:53:36	00:08:11	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
हर्ष			वृश्चि	26:34:19	00:03:13	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
नेप			धनु	10:24:39	00:02:10	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	13:30:08	00:00:56	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			तुला	10:57:13	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:35

लग्न-चलित

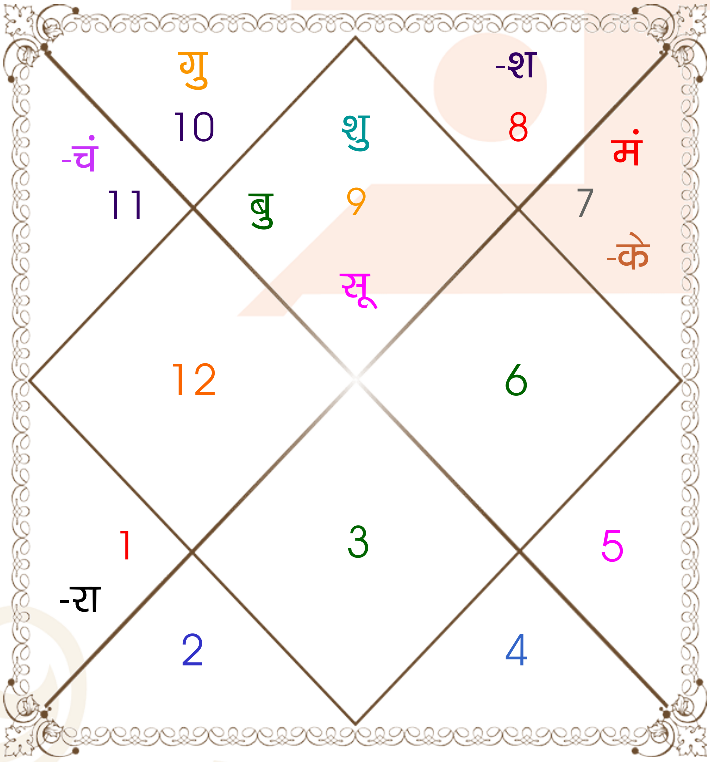

चन्द्र कुंडली

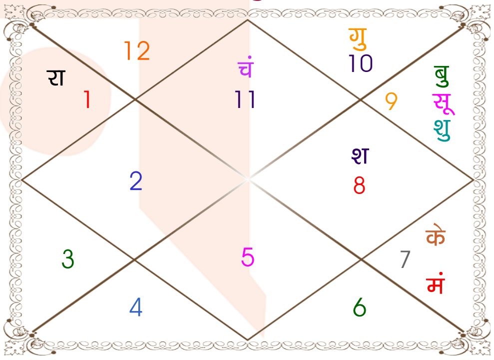

नवमांश कुंडली

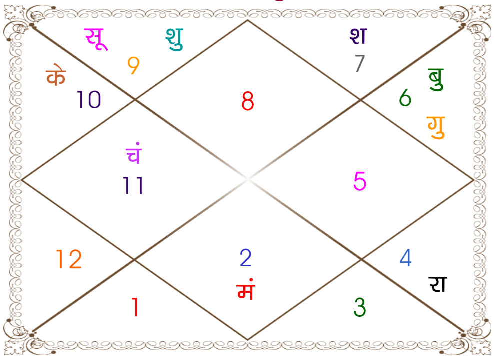

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 5 वर्ष 9 मास 17 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
14/01/1986	**01/11/1991**	**01/11/2007**	**01/11/2026**	**01/11/2043**
01/11/1991	**01/11/2007**	**01/11/2026**	**01/11/2043**	**01/11/2050**
00/00/0000	गुरु 19/12/1993	शनि 04/11/2010	बुध 30/03/2029	केतु 29/03/2044
00/00/0000	शनि 02/07/1996	बुध 14/07/2013	केतु 27/03/2030	शुक्र 29/05/2045
00/00/0000	बुध 08/10/1998	केतु 23/08/2014	शुक्र 25/01/2033	सूर्य 04/10/2045
00/00/0000	केतु 13/09/1999	शुक्र 22/10/2017	सूर्य 01/12/2033	चंद्र 05/05/2046
14/01/1986	शुक्र 14/05/2002	सूर्य 04/10/2018	चंद्र 02/05/2035	मंगल 01/10/2046
शुक्र 20/05/1988	सूर्य 03/03/2003	चंद्र 05/05/2020	मंगल 29/04/2036	राहु 20/10/2047
सूर्य 14/04/1989	चंद्र 02/07/2004	मंगल 14/06/2021	राहु 16/11/2038	गुरु 25/09/2048
चंद्र 14/10/1990	मंगल 08/06/2005	राहु 20/04/2024	गुरु 21/02/2041	शनि 04/11/2049
मंगल 01/11/1991	राहु 01/11/2007	गुरु 01/11/2026	शनि 01/11/2043	बुध 01/11/2050

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
01/11/2050	**01/11/2070**	**31/10/2076**	**01/11/2086**	**01/11/2093**
01/11/2070	**31/10/2076**	**01/11/2086**	**01/11/2093**	**00/00/0000**
शुक्र 02/03/2054	सूर्य 18/02/2071	चंद्र 01/09/2077	मंगल 30/03/2087	राहु 14/07/2096
सूर्य 03/03/2055	चंद्र 20/08/2071	मंगल 02/04/2078	राहु 17/04/2088	गुरु 07/12/2098
चंद्र 31/10/2056	मंगल 26/12/2071	राहु 02/10/2079	गुरु 23/03/2089	शनि 14/10/2101
मंगल 31/12/2057	राहु 19/11/2072	गुरु 31/01/2081	शनि 02/05/2090	बुध 03/05/2104
राहु 31/12/2060	गुरु 07/09/2073	शनि 01/09/2082	बुध 29/04/2091	केतु 21/05/2105
गुरु 01/09/2063	शनि 20/08/2074	बुध 31/01/2084	केतु 26/09/2091	शुक्र 15/01/2106
शनि 01/11/2066	बुध 26/06/2075	केतु 31/08/2084	शुक्र 25/11/2092	00/00/0000
बुध 01/09/2069	केतु 01/11/2075	शुक्र 02/05/2086	सूर्य 02/04/2093	00/00/0000
केतु 01/11/2070	शुक्र 31/10/2076	सूर्य 01/11/2086	चंद्र 01/11/2093	00/00/0000

❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 5 वर्ष 10 मा 11 दि होता है।

❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काणा का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आपको आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सुदृढ़-स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु वृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी जीवन में भी आ सकते हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगगस्त भी हो सकता है। अतः आपको अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगे यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगे क्योंकि आप एक विशाल हृदय के प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकते हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आपको इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगे। तब यह संभाव्य है कि आप में शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने की प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगे। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करते हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वास्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकते हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगे। आप बहुत बड़े विश्वासी है तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करते हैं। तथा यह भी मानते हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखते है कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगे तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगे।

आपके लिए कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी बुद्धि को अनुकूल कर सकते हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक

संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।